

कटोरे के आकार में बनाया गया हो, जैसे- साँची का स्तूप।

**स्तुत वि.** (तत्.) 1. ढकने की क्रिया, आच्छादन 2. फैलाने का कार्य 3. ढका हुआ, आच्छादित 2. फैला हुआ, विस्तृत।

**स्तुति स्त्री.** (तत्.) 1. चुराने का कार्य, चोरी 2. चोर, डाकू या लुटेरा।

**स्तेय पुं.** (तत्.) 1. चोरी 2. चुराई गई वस्तु 3. वह वस्तु जिसके चुराए जाने की संभावना हो।

**स्तेयी पुं.** (तत्.) 1. चोर 2. स्वर्णकार, सुनार 3. चूहा।

**स्तैन पुं.** (तत्.) स्तैन्य।

**स्तैन्य पुं.** (तत्.) चुराने या डाका डालने का काम।

**स्तोक पुं.** (तत्.) 1. थोड़ी मात्रा, अल्प परिमाण 2. बूँद 3. चातक पक्षी **वि.** 1. लघु, छोटा 2. थोड़ा, जरा 3. नीच।

**स्तोकशः क्रि.वि.** (तत्.) थोड़ा-थोड़ा करके।

**स्तोतक पुं.** (तत्.) 1. पपीहा, चातक 2. वत्सनाग नामक विष, बछनाग।

**स्तोतव्य वि.** (तत्.) स्तव या स्तुति का अधिकारी या पात्र, स्तुत्य।

**स्तोता वि.** (तत्.) 1. स्तुति करने वाला 2. उपासना करने वाला, प्रार्थना करने वाला।

**स्तोत्र पुं.** (तत्.) 1. स्तुति 2. स्तुति-परक गीत या कविता 3. संस्कृत में रचित परमात्मा, देवी-देवता या गुरु आदि की पद्यात्मक स्तुति 4. यज्ञ में उद्गाता और सहायक ऋत्विजों द्वारा गाए जाने वाले स्तुतिपरक वेद-मंत्र।

**स्तोत्रीय वि.** (तत्.) स्तोत्र-संबंधी, स्तोत्र का।

**स्तोभ पुं.** (तत्.) 1. सामवेद का एक अंग 2. अवज्ञा, उपेक्षा या तिरस्कार 3. स्तंभन।

**स्तोभित वि.** (तत्.) 1. जिसकी स्तुति की गई हो, स्तुत 2. जिसका जय-जयकार किया गया हो।

**स्तोम पुं.** (तत्.) 1. स्तुति 2. साम मंत्रों के द्वारा की जाने वाली विशेष प्रकार की स्तुति वाले स्तोत्र 3. यज्ञ 4. यज्ञ करने वाला, यज्ञकर्ता 5. सिर 6. शीश, समूह, ढेर 7. धन 8. अन्न, अनाज 9. एक प्रकार की ईंट 10. दूरी का एक पुराना माप जो 40 हाथ के बराबर या 10 धनुष/धनवंतर के तुल्य होता था।

**स्तोमायन पुं.** (तत्.) यज्ञ में बलि दिया जाने वाला पशु।

**स्तोमीय वि.** (तत्.) स्तोम का, स्तोम संबंधी।

**स्तोम्य वि.** (तत्.) स्तुत्य।

**स्तौपिक पुं.** (तत्.) 1. किसी महापुरुष के वे अस्थि चिह्न जिन पर स्तूप बनाया गया हो 2. वह मार्जनी जो जैन यति अपने साथ रखते हैं।

**स्तौभ वि.** (तत्.) स्तोभ संबंधी, स्तोभ का।

**स्तौभिक वि.** (तत्.) स्तोभ से युक्त, जिसमें स्तोभ हो।

**स्त्यान वि.** (तत्.) 1. समूहों में इकट्ठा किया हुआ 2. कठोर 3. घना 4. चिकना 5. ध्वनि या शब्द करने वाला पुं. 1. घनापन 2. आवाज, शब्द 3. सत्कर्म के प्रति होने वाला आलस्य 4. अमृत।

**स्त्येन पुं.** (तत्.) चोर, डाकू।

**स्त्रियम्मन्य वि.** (तत्.) अपने को स्त्री मानने/समझने वाला पुरुष।

**स्त्रियोचित वि.** (तत्.) स्त्रियों के लिए स्वाभाविक या उचित।

**स्त्रियोपयोगी वि.** (तत्.) जो स्त्रियों के लिए विशेष रूप से उपयोगी हो।

**स्त्रीन्द्रिय स्त्री.** (तत्.) स्त्री की योनि, भग।

**स्त्री स्त्री.** (तत्.) 1. मनुष्य जाति की वह उपजाति जिसके सदस्य गर्भ-धारण करने वाले अंगों तथा स्तनों से युक्त होते हैं, नारी, औरत 2. उक्त के समान पशु/पक्षी या कीट आदि जाति की उपजाति जिसके सदस्य गर्भ-धारण करने वाले अंगों से तथा स्तनों से युक्त होते हैं या अंडे दे